बोध प्रश्न १

नोट : क) अपने उत्तर के लिए नीचे दिए गए रिक्त स्थान का उपयोग करें।

ख) अध्याय के अंत में दिए गए मानक उत्तरों से अपने उत्तरों का मिलान करें।

१) यूएनसीआईपी क्या है? इसकी प्रमुख सिफारिशें क्या हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

२) भारत और श्रीलंका के बीच कच्छातिवू विवाद का समाधान कैसे हुआ?

.....

.....

.....

.....

.....

५.४ भारत और नेपाल

विश्व का इकलौता हिंदू राज्य नेपाल भारत के उत्तर में स्थित है। नेपाल में भारत की रुचि ऐतिहासिक, धार्मिक और रणनीतिक कारणों से स्वाभाविक है। उत्तर में भारत की सुरक्षा नेपाल से बहुत गहरे जुड़ी हुई है।

शांति और मित्रता संधि, १९५०

३१ जुलाई १९५० को दोनों देशों ने शांति और मित्राता संधि पर दस्तखत किए और आरंभ में भारत-नेपाल संबंध इसी संधि पर आधारित थे। संधि पर दस्तखत के बाद भारत ने नेपाल, तिब्बत और भूटान के बीच दर्रों की निगरानी के लिए १७ चौकियाँ स्थापित कीं। इन चौकियों को भारतीय और नेपाली कर्मचारी संयुक्त रूप से संचालित करते रहे। नेपाली सेना को संगठित और प्रशिक्षित करने के लिए काठमांडू में एक भारतीय सैन्य अभियान भी चलाया गया। नेहरू की इस बात में गहरी रुचि थी कि नेपाल अपनी स्वतंत्राता और संप्रभुता का संपूर्ण उपभोग करे। राणाओं की राजशाही व्यवस्था के खिलाफ चलाए गए लोकतांत्रिाक आंदोलन के दौरान भी भारत ने धैर्य और संयम बनाए रखा।

१९६२ में भारत-चीन युद्ध के बाद भारत के लिए अपनी सुरक्षा की दृष्टि से नेपाल का महत्व बहुत बढ़ गया। संबंधों की बेहतरी के लिए भारत की इच्छा को नेपाल की ओर से सकारात्मक जवाब मिला। नेपाल नरेश की भारत की १३ दिन की यात्राा और बाद में राष्ट्रपति राधाकृष्णन की नेपाल यात्राा ने संबंधों को और मजबूती प्रदान की। इन रिश्तों में और सुधार आया जब भारत के विदेश मंत्राी सरदार स्वर्ण सिंह ने १९६४ में अपनी नेपाल यात्राा के दौरान नेपाल को और ज्यादा आर्थिक सहायता मुहैया कराने संबंधी एक समझौते पर दस्तखत किए। १९६५ में नेपाल नरेश दोबारा भारत